

आनंदज वि. (तत्.) हर्ष के कारण उत्पन्न (अश्रु, आदि)।

आनंदन वि. (तत्.) 1. आनंदप्रद 2. पुं. (तत्.) आनंदित करना 3. अभिवादन करना।

आनंदपूर्ण वि. (तत्.) अत्यधिक प्रसन्न, आनंदमय, हर्षपूर्ण।

आनंद बधाई स्त्री. (तद्.) मांगलिक अवसरों पर प्रेषित की जाने वाली शुभकामनाएँ, अथवा बधाइयाँ।

आनंद-बधावा पुं. (तत्.+तद्.) मांगलिक अवसरों पर दी जाने वाली शुभ कामनाएँ, उक्त शुभ कामनाएँ, प्रायः लोक गीतों द्वारा प्रस्तुत की जाती हैं।

आनंद-भैरव वि. (तत्.) आयु. ज्वरादि की चिकित्सा में प्रयुक्त एक रस (औषधि विशेष)।

आनंदमंगल पुं. (तत्.) सुखचैन।

आनंदमग्न वि. (तत्.) प्रसन्नता में डूबा हुआ, आनंद से भरा हुआ।

आनंदमय वि. (तत्.) [आनंद+मय] आनंद से पूर्ण, आनंद से सरोबार।

आनंदमय कोश पुं. (तत्.) जीवात्मा को आवृत करने वाले पंचकोशों में से अंतिम जो मूलप्रकृति से निर्मित है और जिसमें प्रीति, प्रसन्नता, आनंद की दिव्य अनुभूति होती है।

आनंदमयी वि. (तद्.) [आनंद+मयी] आनंद से ओत-प्रोत, आनंदित, उत्साहित, प्रफुल्ल।

आनंदमत्ता वि. (तत्.) [आनंद+मत्ता] आनंद में मदमस्त, आनंद में मस्त, आनंद में उन्मत्त स्त्री. 1. आनंद में मस्त स्त्री 2. संभोग के आनंद में डूबी होने के कारण मुग्ध हुई प्रौढ़ नायिका।

आनंदयिता वि. (तत्.) आनंदित करने वाला।

आनंदराशि स्त्री. (तत्.) [आनंद+राशि] ढेर सारा आनंद, अत्यधिक आनंद।

आनंदवर्धन वि. (तत्.) [आनंद+वर्धन] आनंद बढ़ाने वाला, आनंद में वृद्धि करने वाला।

आनंदवाद पुं. (तत्.) आनंद को जीवन का मुख्य लक्ष्य मानने का सिद्धांत।

आनंदवादी वि. (तद्.) आनंद की अधिकता, बहुत आनंद, आनंद का अतिरेक।

आनंदा स्त्री. (तत्.) भाँग, विजया।

आनंददायक पुं. (तत्.) [आनंद+दायक] आनंद प्रदान करने वाला, विषाद दूर करने वाला।

आनंदाश्रु वि. (तद्.) [आनंद+अश्रु] अत्यधिक आनंद के कारण आँखों से गिरने वाले आँसू, खुशी के आँसू।

आनंदाभिभूत वि. (तत्.) आनंद से परिपूर्ण, आनंद में डूबा हुआ प्रयो. सदस्यों द्वारा की जा रही सराहना को सुनकर अध्यक्ष महोदय आनंदाभिभूत हो गए।

आनंदित वि. (तत्.) हर्षित, मुदित, सुखी।

आनंदी वि. (तत्.) आनंदयुक्त, आनंदित रहने वाला (स्वभाव) स्त्री. (तत्.) एक वृक्ष-विशेष।

आन¹ स्त्री. (तत्.) 1. गौरव, गर्व, मर्यादा 2. अकड़, ऐंठ 3. शपथ, सौगंध 4. ठसक 5. अदब, लिहाज 6. विजयघोष 7. लज्जा, शर्म, हया 8. शंका 9. डर, भय 10. प्रतिज्ञा, प्रण 11. हठ प्रयो. सच्चा राजपूत अपनी आन पर मर मिटता है मुहा. आन रखना- अपनी बात रखना; आन तोड़ना- प्रतिज्ञा भंग करना, हठ छोड़ना; वि. (तत्.) दूसरा, अन्य, और नोको. घर का जोगी जोगड़ा, आन गाँव का सिद्ध क्रि. आकर, उपस्थित होकर प्रयो. पेड़ से पत्ता आन गिरा।

आन² स्त्री. (देश.) 1. मर्यादा, प्रतिष्ठा, सम्मान 2. परंपरा, प्रतिज्ञा आदि के पालन की दृढ़ भावना 3. प्रतिज्ञा, प्रण, व्रत की भावना का स्मरण कराते हुए दी जाने वाली दुहाई।

आन³ पुं. (देश) भोज्य पदार्थ, अन्न, भात।

आन⁴ अव्य. (देश.) क्षण भर, पल भर यथा 'आन की आन में झगड़ा शुरू हुआ'।

आनक पुं. (तत्.) डंका, दुंदुभि, नगाड़ा, ढोल, भेरी, मृदंग।